<u>राज्य सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 462

19 जुलाई, 2017 को उत्तर के लिए

इस्पात अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए प्रायोगिक परियोजना

462. श्री अमर शंकर साबले:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में इस्पात अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए कोई प्रायोगिक परियोजना/योजना शुरू की है/शुरू करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है और उक्त परियोजना/योजना हेतु कौन-से स्थानों का चयन किया गया है; और

(ग) वर्तमान में महाराष्ट्र में कितनी इस्पात अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं?

<u>उत्तर</u>

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): इस्पात मंत्रालय सरकारी निधि और इस्पात विकास निधि (एसडीएफ) से वित्तीय सहायता के साथ लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास (आर एण्ड डी) स्कीम पर कार्यवाही कर रहा है।

(ख): आर एण्ड डी परियोजनाएं, जिन पर कार्य चल रहा है, समस्त देश में एक छोर से दूसरी छोर तक फैली हुई हैं तथा इसमें झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, असम, नागालैंड आदि राज्य शामिल हैं।

(ग): महाराष्ट्र राज्य में प्रचालनाधीन इस्पात अनुसंधान परियोजनाएं नीचे दी गई है:

- इंडस्ट्रीयल माईक्रोवेव रिसर्च सेंटर (आईएमआरसी), नवी मुंबई में माईक्रोवेव की सहायता वाली लोहा निर्माण प्रक्रिया का विकास,
- आई आई टी, मुंबई द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में इस्पात प्रौद्योगिकी के संबंध में उत्कृष्टता केंद्र (सीओईएसटी) ।

*****